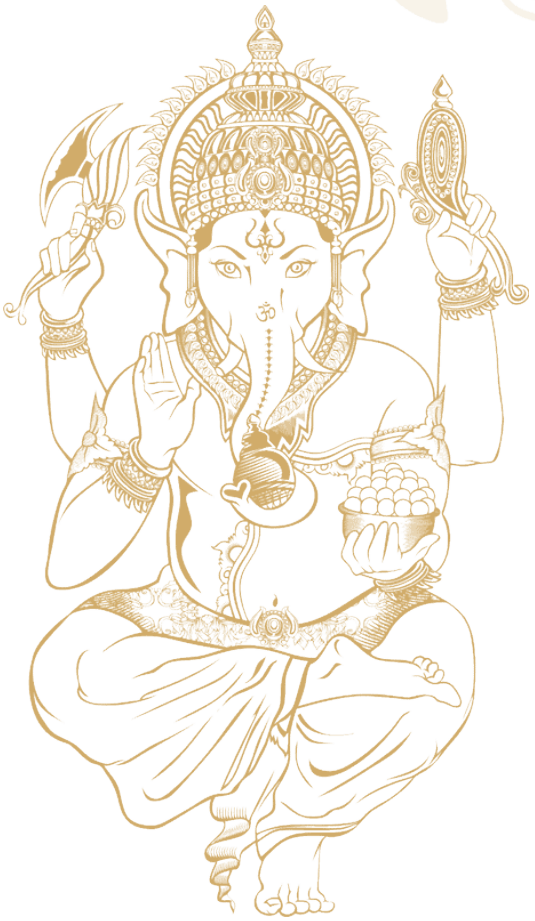

A

B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121583512

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15-16/03/1995	जन्म तिथि	21/09/1997
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 02:55:00	जन्म समय	10:40:00 घंटे
घटी 50:44:20	जन्म समय(घटी)	11:02:52 घटी
India	देश	India
Jaipur Rly Station	स्थान	Tonk
26:54:00 उत्तर	अक्षांश	26:10:00 उत्तर
75:48:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:48	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:16	सूर्योदय	06:14:47
18:35:28	सूर्यास्त	18:24:19
23:47:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि	22:47:35	धनु	लग्न	वृश्चि	02:05:04	सूर्य 2वर्ष 1मा 7दि
चन्द्र	01:02:05	मीन	सूर्य	कन्या	04:25:59	राहु
04/02/2017	16:04:14	सिंह	चंद्र	वृष	05:19:27	29/10/2016
05/02/2027	19:51:39	कर्क व	मंगल	वृश्चि	00:50:18	29/10/2034
चन्द्र 06/12/2017	07:37:55	कुंभ	बुध	सिंह	17:36:43	राहु 12/07/2019
मंगल 07/07/2018	21:09:39	वृश्चि	गुरु व	मक	18:44:35	गुरु 05/12/2021
राहु 06/01/2020	21:31:00	मक	शुक्र	तुला	16:43:31	शनि 10/10/2024
गुरु 07/05/2021	22:25:21	कुंभ	शनि व	मीन	24:32:01	बुध 30/04/2027
शनि 06/12/2022	12:26:34	तुला व	राहु व	सिंह	25:52:46	केतु 17/05/2028
बुध 06/05/2024	12:26:34	मेष व	केतु व	कुंभ	25:52:46	शुक्र 18/05/2031
केतु 06/12/2024	05:38:52	मक	हर्ष व	मक	11:07:59	सूर्य 11/04/2032
शुक्र 06/08/2026	01:15:20	मक	नेप व	मक	03:26:36	चन्द्र 11/10/2033
सूर्य 05/02/2027	06:46:19	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:25:08	मंगल 29/10/2034

लग्न-चलित

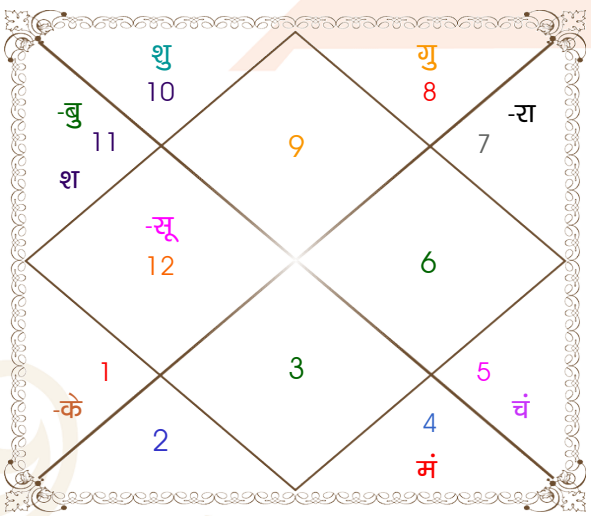

लग्न-चलित

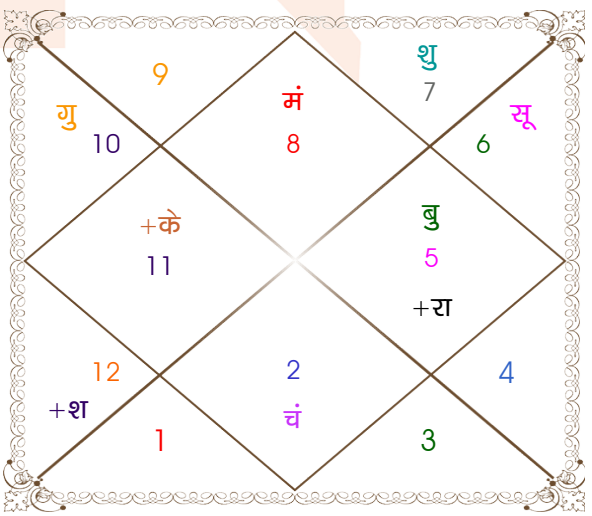

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग गरूड़ हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता हैA

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।